प्रलिमि्स फैक्ट्स: 03 अक्तूबर, 2020

- अटल सुरंग
- महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री
- बोंगोसागर
- प्लास्टकि ईटगि एंज़ाइम

अटल सुरंग

Atal Tunnel

03 अक्तूबर, 2020 को भारतीय प्रधानमंत्री हमिाचल प्रदेश में रणनीतकि रूप से महत्त्वपूर्ण अटल सुरंग (Atal Tunnel) का उद्घाटन करेंगे।

प्रमुख बदिु:

- यह सुरंग हमिाचल प्रदेश के लाहुल एवं स्पीतज़िले में मनाली के पास **सोलंग घाटी** (Solang Valley) को **सस्सिू** (Sissu) से जोड़ती है।

सोलंग घाटी (Solang Valley):

- सोलंग घाटी (Solang Valley) का नाम **सोलंग** (नकिटवर्ती गाँव) और **नाला** (जलधारा) शब्दों के संयोजन से मलिकर बना है।
    - यह हमिाचल प्रदेश में कुल्लू घाटी के शीर्ष पर अवस्थति एक साइड वैली है।

सस्सिू (Sissu):

- सस्सिू (Sissu) जसिे **खालगि** (Khagling) भी कहा जाता है, भारत के हमिाचल प्रदेश राज्य में लाहुल घाटी में एक छोटा सा शहर है। यह मनाली से लगभग 90 कमिी. दूर है और **चंद्रा नदी** (Chandra River) के दक्षणिी कनिारे पर अवस्थति है।

- समुद्र तल से 3000 मीटर की ऊँचाई पर नरि्मति यह **दुनयिा की सबसे लंबी राजमार्ग** सुरंग (Highway Tunnel) है।
- 9.02 कलिोमीटर लंबी यह सुरंग **रोहतांग ला** (Rohtang La) के पश्चमि में एक पहाड़ को काट कर नरि्मति की गई है जसिसे सोलंग घाटी एवं सस्सिू के बीच की दूरी लगभग 46 कमिी. कम हो जाएगी। इस दूरी को तय करने में अब लगभग 15 मनिट लगेंगे।

नामकरण, लागत एवं अवधि:

- पूर्व प्रधानमंत्री अटल बहिारी वाजपेयी के नाम पर इस सुरंग का नामकरण कयिा गया है।
- 3200 करोड़ रुपए की लागत वाली इस सुरंग परयिोजना के नरि्माण में लगभग एक दशक का समय लगा है।

क्षमता:

- डबल लेन वाली अटल सुरंग जो देश की सबसे लंबी सड़क सुरंगों (Road Tunnels) में से एक है, से अधकितम 80 कमिी. प्रतघिंटा की गतसिे प्रतदिनि लगभग 3000 कारें एवं 1500 ट्रक गुजर सकते हैं।

रणनीतकि लाभ:

- सोलंग घाटी एवं सस्सिू के बीच की दूरी में लगभग 46 कलिोमीटर की कमी होने से परविहन लागत में करोड़ों रुपए की बचत होगी।
- इस सुरंग का नरि्माण हमिाचल प्रदेश और लद्दाख के सुदूर सीमावर्ती क्षेत्रों में रहने वालों को सदैव कनेक्टविटिी उपलब्ध कराने की दशिा में एक महत्त्वपूर्ण कदम है जो शीत ऋतु के दौरान लगभग 6 महीने तक लगातार शेष देश से कटे रहते हैं।

महात्मा गांधी एवं लाल बहादुर शास्त्री

Mahatma Gandhi & Lal Bahadur Shastri

02 अक्तूबर, 2020 को देशभर में महात्मा गांधी (Mahatma Gandhi) एवं लाल बहादुर शास्त्री (Lal Bahadur Shastri) की जयंती मनाई गई।

महात्मा गांधी:

- **2 अक्तूबर, 2020 को महात्मा गांधी की 151वीं जयंती मनाई गई।**
- मोहनदास करमचंद गांधी का जन्म 2 अक्तूबर, 1869 को गुजरात के पोरबंदर में हुआ था।
- महात्मा गांधी एक **भारतीय वकील**, **उपनिवेशवाद विरोधी राष्ट्रवादी** एवं **राजनीतिक नैतिकतावादी** थे जिन्होंने ब्रिटिश शासन से भारत की आजादी हेतु सफल अभियान का नेतृत्त्व करने के लिये '**अहिंसक प्रतिरोध**' की अवधारणा का प्रयोग किया था।
- महात्मा गांधी ने **इनर टेम्पल (Inner Temple), लंदन** से कानून की ट्रेनिंग पूरी की।
- वर्ष 1893 में एक भारतीय व्यापारी के मुकदमे का प्रतिनिधित्त्व करने के लिये वह भारत से दक्षिण अफ्रीका चले गए।
- दक्षिण अफ्रीका में गांधी जी ने नागरिक अधिकारों के लिये एक अभियान में पहली बार **अहिंसक प्रतिरोध की अवधारणा** का प्रयोग किया।
- वर्ष 1917 का **चंपारण सत्याग्रह** बागान मालिकों द्वारा प्रयुक्त तिनकठिया पद्धति के विरोध में किया गया एक अहिंसक आंदोलन था जिसने भारत में गांधीजी के सत्य तथा हिंसा के ऊपर लोगों के विश्वास को सुदृढ़ किया।
- महात्मा गांधी द्वारा वर्ष 1919 में **रॉलेट सत्याग्रह** शुरू किया गया। इस सत्याग्रह की शुरुआत ब्रिटिश सरकार द्वारा लागू किये गए **रॉलेट एक्ट** के खिलाफ हुई थी।
- वर्ष 1920 में भारतीय राष्ट्रीय कॉन्ग्रेस के नेतृत्त्व को स्वीकारते हुए गांधी जी ने गरीबी कम करने, महिलाओं के अधिकारों का विस्तार करने, धार्मिक एवं जातीय मेलजोल बढ़ाने, अस्पृश्यता को समाप्त करने और स्वराज या स्व-शासन प्राप्त करने के लिये राष्ट्रव्यापी अभियानों का नेतृत्त्व किया।
- अगस्त, 1920 में गांधी जी ने **असहयोग आंदोलन** की शुरुआत की जिसे वर्ष 1922 में चौरी-चौरा घटना के कारण समाप्त कर दिया गया।
- 6 अप्रैल, 1930 को गांधी जी द्वारा नमक कानून के उल्लंघन के साथ **सविनय अवज्ञा आंदोलन** की शुरुआत की गई।
- 8 अगस्त, 1942 को महात्मा गांधी द्वारा भारत में ब्रिटिश शासन को समाप्त करने के लिये एक स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया गया जिसके तहत मुंबई में अखिल भारतीय कॉन्ग्रेस समिति (All-India Congress Committee) के सत्र में भारत छोड़ो आंदोलन शुरू करने का आह्वान किया गया।
    - गांधी जी ने ऐतिहासिक **ग्वालिया टैंक** मैदान में दिये गए अपने भाषण में '**करो या मरो**' का नारा दिया, जिसे अब **अगस्त क्रांति मैदान** (August Kranti Maidan) के नाम से जाना जाता है।
- गांधी जी एक अच्छे लेखक थे। इनके शुरुआती प्रकाशनों में से एक '**हिंद स्वराज**' (Hind Swaraj) जो वर्ष 1909 में गुजराती भाषा में प्रकाशित हुआ, में भारत के स्वतंत्रता आंदोलन के लिये 'बौद्धिक खाका' (The Intellectual Blueprint) के बारे में बताया गया है।
- **गांधी जी द्वारा संपादित पत्र/पत्रिकाएँ:** 'हरिजन', 'इंडियन ओपिनियन', 'यंग इंडिया' और 'नवजीवन'।
- 30 जनवरी, 1948 को नाथूराम गोडसे द्वारा गांधी जी की हत्या कर दी गई।

लाल बहादुर शास्त्री:

- **लाल बहादुर शास्त्री का जन्म 2 अक्तूबर, 1904 को उत्तर प्रदेश के मुगलसराय (अब पंडति दीनदयाल उपाध्याय नगर) में हुआ था।**
- लाल बहादुर शास्त्री एक भारतीय राजनीतज्ञि थे जन्हिोंने भारत के दूसरे प्रधानमंत्री के रूप में कार्य कयि।
- उन्होंने '**जय जवान जय कसिान**' का नारा दयि और भारत के भवष्यि को आकार देने में महत्त्वपूर्ण भूमकिा नभिाई।
- वे **लाला लाजपत राय** द्वारा स्थापति '**सर्वेंट्स ऑफ द पीपुल सोसाइटी**' (लोक सेवक मंडल) के आजीवन सदस्य बने। वहाँ उन्होंने पछिड़े वर्गों के उत्थान के लयि कार्य करना शुरू कयि और बाद में वे उस सोसाइटी के अध्यक्ष भी बने।
- उन्होंने असहयोग आंदोलन और नमक सत्याग्रह में भाग लयि।
- भारत को आजादी मलिने के बाद वर्ष 1961 में उन्हें भारत के गृह मंत्री के रूप में और 'भ्रष्टाचार नरिोधक समति' के लयि नयिुक्त कयि गया।
- उन्होंने प्रसद्धि '**शास्त्री फॉर्मूला**' बनाया जसिमें असम एवं पंजाब में भाषा आधारति आंदोलन शामलि थे।
- **उन्होंने भारत में आनंद, गुजरात के 'अमूल दूध सहकारी समति' का समर्थन और** राष्ट्रीय डेयरी वकिास बोर्ड **(National Dairy Development Board) का नर्मिाण करके श्वेत क्रांति (White Revolution) को बढ़ावा दयि।**
- भारत के खाद्य उत्पादन को बढ़ावा देने की आवश्यकता को रेखांकति करते हुए लाल बहादुर शास्त्री ने वर्ष 1965 में भारत में **हरति क्रांति** को बढ़ावा दयि।
- वर्ष 1964 में उन्होंने सीलोन में भारतीय तमलिों की स्थति के संबंध में श्रीलंका के प्रधानमंत्री सरिीमावो भंडारनाइके के साथ एक समझौते पर हस्ताक्षर कयि। इस समझौते को **श्रीमावो-शास्त्री संधि** (Srimavo-Shastri Pact) के रूप में जाना जाता है।
- उन्हें वर्ष 1966 में मरणोपरांत भारत के सर्वोच्च नागरकि सम्मान **भारत रत्न** से सम्मानति कयि गया था।
- उन्होंने 10 जनवरी, 1966 को पाकस्तिान के राष्ट्रपति मुहम्मद अयूब खान के साथ वर्ष 1965 के भारत-पाकस्तिान युद्ध को समाप्त करने के लयि **ताशकंद घोषणापत्र** पर हस्ताक्षर कयि।
- 11 जनवरी, 1966 को ताशकंद में ही उनकी मृत्यु हो गई।

बोंगोसागर

BONGOSAGAR

03 अक्तूबर, 2020 से भारतीय नौसेना और बांग्लादेशी नौसेना के बीच द्वपिक्षीय नौसैनकि अभ्यास **'बोंगोसागर'** (BONGOSAGAR) के दूसरे संस्करण का आयोजन बंगाल की खाड़ी में शुरू हो रहा है।

उद्देश्य:

- **इसका उद्देश्य व्यापक समुद्री अभ्यास एवं संचालन के माध्यम से अंतर-संचालन एवं संयुक्त परचिालन कौशल वकिसति करना है।**

प्रमुख बदिु:

- बोंगोसागर नौसैनकि अभ्यास का पहला संस्करण वर्ष 2019 में आयोजति कयि गया था।
- बोंगोसागर नौसैनकि अभ्यास के इस सत्र में दोनों देशों की नौ-सेनाओं के पोत सतह युद्ध अभ्यास, नावकि कला वकिास (Seamanship Evolutions) और हेलीकॉप्टर संचालन में भाग लेंगे।
- भारतीय नौसेना की तरफ से स्वदेशी तौर पर नर्मिति एंटी-सबमरीन वारफेयर कार्वेट (Anti-Submarine Warfare Corvette) **आईएनएस कलि्टान** (INS Kiltan) और स्वदेश में ही नर्मिति गाइडेड-मसिाइल कार्वेट (Guided-Missile Corvette) **आईएनएस खुकरी** (INS Khukri) इसमें भाग ले रहे हैं।
- वहीं बांग्लादेशी की तरफ से **बीएनएस अबू बक्र** (BNS Abu Bakr) और **बीएनएस प्रेटॉय** (BNS Prottoy) इस अभ्यास में भाग ले रहे हैं।

भारत-बांग्लादेश संयुक्त गश्ती (कॉर्पैट)

[IN-BN Coordinated Patrol (CORPAT)]:

- 4 से 5 अक्तूबर, 2020 तक बंगाल की खाड़ी में भारतीय नौसेना और बांग्लादेशी नौसेना संयुक्त गश्ती (कॉर्पैट) के तीसरे संस्करण में भी हस्सिा लेंगी।
- जसिमें दोनों देशों की नौसैनकि इकाइयाँ अंतर्राष्ट्रीय समुद्री सीमा रेखा (International Maritime Boundary Line- IMBL) के अनुरूप संयुक्त रूप से गश्त करेंगी।
    - संयुक्त गश्ती करने से दोनों देशों की नौ-सेनाओं के बीच आपसी समझ बेहतर हुई है और गैरकानूनी गतविधियिों के संचालन को रोकने के उपायों को लागू करने में तत्परता दखिाई गई है।
- यह एक बहुराष्ट्रीय संधि के बजाय राजनयकि महत्वाकांक्षाओं की ओर से भारतीय नौसेना की एक सामरकि प्रक्रयिा है।
- अब तक संयुक्त गश्ती अभ्यास को बांग्लादेश, इंडोनेशयिा और थाईलैंड के साथ आयोजति कयि गया है।

बोंगोसागर के इस संस्करण का महत्त्व:

- उल्लेखनीय है कि बोंगोसागर नौसैनिक अभ्यास का यह द्वितीय संस्करण बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान की 100वीं जयंती [**मुजीब बारशो** (Mujib Barsho)] के अवसर पर आयोजित किया जा रहा है।

प्लास्टिक ईटिंग एंज़ाइम

Plastic Eating Enzyme

हाल ही में वैज्ञानिकों ने एक नया '**सुपर एंज़ाइम**' (Super Enzyme) बनाया है जो अपने पिछले एंज़ाइम की तुलना में छह गुना तेज़ी से प्लास्टिक को विघटित कर सकता है।

प्रमुख बिंदु:

- शोधकर्त्ताओं की एक टीम जिसने पहले **पेटसे** (PETase) नामक एक प्लास्टिक विघटित करने वाले एंज़ाइम को पुनः निर्मित किया था, ने अब इस प्रक्रिया को तेज़ करने के लिये एक दूसरे एंज़ाइम **म्हेटसे** (MHETase) के साथ जोड़ दिया है।
    - एक दूसरा एंज़ाइम जो आहार के रूप में प्लास्टिक की बोतलों पर निर्भर रहने वाले **रबिस ड्वेलिंग बक्टीरियम** (Rubbish Dwelling Bacterium) में पाया जाता है, जिसे प्लास्टिक के विघटित होने की गति को तेज़ करने के लिये पेटसे के साथ संयुक्त किया गया है।
- पेटसे (PETase) **पॉलीएथलीन टेरेफ्थेलेट** (Polyethylene Terephthalate- PET) को ब्लॉक्स में विघटित करता है जिससे प्लास्टिक का पुनर्चक्रण करने और प्लास्टिक प्रदूषण एवं ग्रीनहाउस गैसों को कम करने का अवसर मिलता है।
    - PET सबसे आम थर्मोप्लास्टिक है जिसका एकल उपयोगी पेयजल की बोतलों, कपड़े एवं कालीन बनाने के लिये किया जाता है और इसे विघटित होने में सैकड़ों वर्ष लगते हैं किंतु **पेटसे** (PETase) इस अवधि को छोटा कर सकता है।
- प्लास्टिक को विघटित करने वाले इस सुपर एंज़ाइम से संबंधित यह शोध '**प्रोसीडिंग्स ऑफ द नेशनल एकेडमी ऑफ साइंसेज़**' (Proceedings of the National Academy of Sciences) नामक जर्नल में प्रकाशित हुआ है।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/prelims-facts-03-october-2020